



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 10 फरवरी, 1990/21 मार्च, 1911

हिमाचल प्रदेश सरकार

[भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 की धारा (3) के प्रावधान के अनुपालन में, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, अधिसूचना संख्या एम० पी० पी० ए० (3)-II/76, दिनांक 30-1-1990 को सहर्ष प्रकाशित करने का आदेश देते हैं।]

बहुदेशीय परियोजना एवं विद्युत विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 30 जनवरी, 1990

संख्या एम० पी० पी० ए० (3)-II/76.—विद्युत (स्प्लाइ) अधिनियम, 1948 (1948 का केन्द्रीय अधिनियम संख्यांक 54) की धारा 78 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश सरकार निम्नलिखित नियम, नामतः "हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड (अध्यक्ष की शक्तियों तथा अध्यक्ष व सदस्यों की सेवा सम्बन्धी निबन्धन व शर्तें) नियम, 1990 एतद्द्वारा बनाती है और उन्हें हिमाचल प्रदेश राजपत्र में एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जैसा कि अधिनियम की धारा 78 की उप-धारा (1) के अन्तर्गत अपेक्षित है।

भाग-I—प्रारम्भिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) ये नियम, हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड (अध्यक्ष की शक्तियों तथा अध्यक्ष व सदस्यों की सेवा सम्बन्धी निबन्धन व शर्तें) नियम, 1990 कहलायेंगे।

(2) ये नियम तुरन्त लागू होंगे।

2. परिभाषाएं—इन नियमों में जब तक विषय या सन्दर्भ में कुछ अन्यथा न हो—

- (i) "अधिनियम", का अभिप्राय विद्युत (सप्लाय) अधिनियम (1948 का अधिनियम संख्यांक 54) से है।
- (ii) "बोर्ड", का अभिप्राय, अधिनियम की धारा 5 के अन्तर्गत गठित, हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड से है।
- (iii) "अध्यक्ष", का अभिप्राय अधिनियम की धारा 5 की उप-धारा (5) के अन्तर्गत नियुक्त, बोर्ड के अध्यक्ष से है।
- (iv) "सरकार", का अभिप्राय हिमाचल प्रदेश सरकार से है।
- (v) "सरकारी कर्मचारी", का अभिप्राय केन्द्र या राज्य सरकार में नियोजित व्यक्ति से है।
- (vi) "सदस्य", का अभिप्राय बोर्ड के सदस्य से है।
- (vii) "धारा", का अभिप्राय अधिनियम की धारा से है।
- (viii) "सचिव", का अभिप्राय अधिनियम की धारा 15 के अन्तर्गत नियुक्त बोर्ड के सचिव से है।
- (ix) "इन नियमों में प्रयुक्त अन्य सभी शब्दों और अभिव्यक्तियों जिन्हें इन नियमों में विशेषतः परिभाषित नहीं किया गया है, के वही अर्थ होंगे जो उन्हें क्रमशः अधिनियम या भारतीय विद्युत अधिनियम, 1910 (1910 की अधिनियम संख्या 9) तथा उनके अन्तर्गत बनाये गए नियमों व जो भी स्थिति हो, में दिये गए हों।

3. बोर्ड का मुख्यालय—बोर्ड का मुख्यालय शिमला या उस स्थान पर होगा जिसे समय-समय पर राज्य सरकार द्वारा अधिवृत्त किया जायेगा।

भाग-II—बोर्ड के अध्यक्ष तथा सदस्यों का कार्यकाल, मानदेय, भत्ते तथा सेवा शर्तें

4. कार्यकाल—(1) अध्यक्ष तथा सदस्यों की नियुक्ति राज्य सरकार द्वारा की जायेगी तथा वे राज्य सरकार द्वारा आदिष्ट अवधि तक कार्यकाल सम्भाले रखेंगे और कार्यकाल की समाप्ति पर, उन शर्तों के अधीन, जिन्हें राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर आदिष्ट किया जायेगा, पुनः नियुक्ति के पात्र होंगे।

(2) कोई भी पूर्णकालिक सदस्य, जब तक वह बोर्ड का सदस्य रहता है, सरकार की पूर्व अनुमति के बिना बोर्ड के कार्य के अलावा कोई अन्य कार्य ग्रहण नहीं करेगा।

5. मानदेय—अध्यक्ष तथा सदस्यों, अंशकालिक सदस्यों सहित (यदि कोई हो) को वे मानदेय तथा अन्य भत्ते दिये होंगे जो सरकार द्वारा प्रत्येक मामले में समय-समय पर निर्धारित किये जायेंगे।

6. यात्रा भत्ता—अध्यक्ष तथा बोर्ड के अन्य सदस्य, बोर्ड प्रयोजन से की गई यात्राओं के लिए, सरकार में प्रथम श्रेणी के सम्पूर्ण पद तथा बतन पाने वाले उच्चतम अधिकारियों की तत्सम देय दरों पर यात्रा भत्ता पाने के पात्र होंगे।

7. चिकित्सा सुविधाएं—बोर्ड के अध्यक्ष, सदस्य तथा उनके परिवार के सदस्य उन चिकित्सा सुविधाओं के पात्र होंगे जो कि सरकार में प्रथम श्रेणी अधिकारियों तथा उनके परिवार के सदस्यों को दिये हों।

8. आवास सुविधाएं—बोर्ड के अध्यक्ष और पूर्णकालिक सदस्य, राज्य सरकार/बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी नीतियों/हिदायतों के अनुसार किराये की आवासीय के आधार पर निवास स्थान, जोकि सरकारी स्वामित्व में हो या जिसे सरकार ने अधिग्रहित किया हो व जोकि बोर्ड के स्वामित्व में हो, यदि वह जब भी उपलब्ध हो, पाने के हकदार होंगे।

9. अवकाश एवं अवकाश वेतन—(1) अध्यक्ष तथा सदस्य उस अवकाश तथा अवकाश वेतन के हकदार होंगे जोकि राज्य सरकार के अधिकारियों को समय-समय पर देय होगा।

(2) अध्यक्ष तथा सदस्यों को, आकस्मिक अवकाश को छोड़, अवकाश प्रदान करने की शक्ति सरकार में निहित होगी।

(3) बोर्ड के अध्यक्ष को आकस्मिक अवकाश प्रदान करने की शक्ति सरकार में निहित होगी तथा बोर्ड के सदस्यों को आकस्मिक अवकाश मंजूर करने की शक्ति अध्यक्ष में निहित होगी।

(4) अंशकालिक सदस्य किसी प्रकार के अवकाश के हकदार नहीं होंगे, सिवाये इसके कि बैठक में उनकी अनुपस्थिति बोर्ड द्वारा क्षमा की जा सकती है, उपरान्त है कि किसी अंशकालिक सदस्य के लगातार तीन या इससे अधिक बैठकों में अनुपस्थित रहने पर बोर्ड द्वारा यह मामला सरकार को विचारार्थ भेजा जायेगा।

10. छुट्टी यात्रा सुविधा—बोर्ड के अध्यक्ष तथा पूर्णकालिक सदस्य उन्हीं नियमों के अन्तर्गत छुट्टी यात्रा सुविधा के हकदार होंगे जोकि सरकार में प्रथम श्रेणी के उच्चतम वर्ग के अधिकारियों को नियमानुसार समय-समय पर देय हो।

11. त्यागपत्र—अध्यक्ष अथवा कोई भी सदस्य, सरकार को लिखित रूप में तीन कलेंडर महीनों का नोटिस दे कर अपने पद से त्यागपत्र दे सकते हैं। सरकार यदि उचित समझे तो ऐसी शर्त को हटा सकती है।

भाग-III—अध्यक्ष एवं सदस्यों की शक्तियां तथा कार्य

12. अध्यक्ष का दायित्व—अध्यक्ष, बोर्ड के निर्देशों तथा निर्णयों के उचित निर्वहन के लिए उत्तरदायी होंगे।

13. सरकार तथा बोर्ड के मध्य सम्पर्क—अध्यक्ष, सरकार तथा बोर्ड के बीच उस सीमा तक अधिनियम को लागू करने के लिए सम्पर्क सूत्र के रूप में कार्य करेंगे, जहां तक कि सरकार का इससे सम्बन्ध हो।

14. बैठक के नोटिस की अवधि में परिवर्तन—अध्यक्ष अपने स्वविवेक में बोर्ड की किसी भी बैठक के नोटिस की अवधि के बारे में निर्णय ले सकते हैं।

15. बैठक के सम्मुख नए विषयों का रखना—अध्यक्ष किसी भी नये विषय को, जो उनकी राय में अनिवार्य हो, बोर्ड की किसी भी बैठक में, बिना नोटिस दिये, प्रस्तुत कर अथवा करवा सकते हैं।

16. कार्य सूची का अनुमोदन—अध्यक्ष बोर्ड की बैठक के लिए कार्य सूची का अनुमोदन करेंगे जिसमें बैठक की तिथि, समय तथा स्थान का निर्धारण सम्मिलित है।

17. मामले जिन पर विचार-विमर्श न किया जाना हो—अध्यक्ष की राय में, बोर्ड से सम्बन्धित किसी मामले विशेष पर बोर्ड की बैठक में विचार-विमर्श किया जाना या उसका उत्तर दिया जाना यदि ज़रूरी के प्रतिकूल बैठता हो तो वह ऐसे मामले पर विचार-विमर्श की स्वीकृति न देने हेतु अपने स्वविवेक का प्रयोग कर सकते हैं।

18. बैठक के लिए अतिथि सदस्य—अध्यक्ष, बोर्ड के किसी अधिकारी, जो बोर्ड का सदस्य नहीं है, को बोर्ड की किसी भी बैठक में भाग लेने के लिए आमन्त्रित कर सकते हैं। ऐसा अधिकारी, अध्यक्ष की पूर्व सहमति से विचार-विनिमय में भाग ले सकता है परन्तु उसे वोट देने का अधिकार नहीं होगा।

19. निर्णायक मत.—अध्यक्ष, तथा उनकी अनुपस्थिति में बैठक हेतु चुने गये अध्यक्ष को, मत डालने का अधिकार होगा और दोनों पक्षों में बराबर मत पड़ने की अवस्था में, उन्हें निर्णायक अथवा दूसरा मत डालने का अधिकार होगा।

20. नियमापत्ति पर निर्णय.—बोर्ड की बैठक में उठाई गई किसी भी नियमापत्ति पर अध्यक्ष द्वारा निर्णय लिया जायेगा और उस द्वारा लिया गया निर्णय अन्तिम होगा।

21. मतभेदों का प्रतिवेदन.—अध्यक्ष, बोर्ड के सदस्यों तथा उनके बीच नीति सम्बन्धी मामलों पर उत्पन्न हुए मतभेदों को सरकार के ध्यान में लायेंगे। इसी प्रकार, वे नीति सम्बन्धी किसी भी अन्य मामले को सरकार को भेज सकते हैं और सरकार से प्राप्त निर्देशों को बोर्ड के सम्मुख विचार तथा कार्रवाई के लिए रख सकते हैं।

22. गोपनीय सूचना के प्रकटकरण पर निषेध.—बोर्ड का कोई भी सदस्य किसी भी व्यक्ति को, सिवाय बोर्ड के सदस्यों के, अध्यक्ष की पूर्ण लिखित अनुमति के बिना बोर्ड के काम से सम्बन्धित कोई सूचना, या ऐसे व्यक्तियों को बोर्ड के काम-काज का निरीक्षण या वहां तक उनकी पहुंच नहीं होने देगा, जिसे गोपनीय रखा जाना अपेक्षित हो।

23. कर्तव्य तथा कार्य विभाजन.—अधिनियम के प्रावधानों में रहते हुए, सदस्यों, सचिवों तथा बोर्ड के अन्य अधिकारियों के बीच, कर्तव्यों एवं कार्यों, तथा उन विषयों से सम्बन्धित प्रकरणों जिनका निपटान, बोर्ड सचिवालय में किया जाता है, तथा जिन्हें बोर्ड की बैठक की नियमित कार्यसूची में शामिल न किया जाना हो का विभाजन अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

24. बोर्ड के कार्यक्षेत्र से बाहर की यात्रायें करना.—(1) बोर्ड के सदस्यों तथा अधिकारियों को, बोर्ड के कार्यक्षेत्र से बाहर कार्य निष्पादन के लिए यात्रा करने की अनुमति देने तथा उन सदस्यों व अधिकारियों की अनुपस्थिति में, उनके कार्यों तथा कर्तव्यों को निभाने के लिए जहां आवश्यक हो, प्रबन्ध करने हेतु अध्यक्ष सक्षम होंगे।

(2) अध्यक्ष अपने तथा सदस्यों के यात्रा भत्ता और चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिलों के सम्बन्ध में नियन्त्रण अधिकारी होंगे।

25. गैर-सरकारी/अंशकालिक सदस्यों के कार्य.—गैर-सरकारी/अंशकालिक सदस्य, बोर्ड में नियुक्त किये जाने पर, बोर्ड की बैठकों में उपस्थित होंगे तथा बैठकों में विचार-विनिमय में भाग लेंगे। उन्हें नियमित रूप से किसी विषय का प्रभारी नहीं बनाया जायेगा, तथापि उन्हें बोर्ड द्वारा, समय-समय पर विशेष कार्य सौंपे जा सकते हैं।

26. नियमों के किसी भी प्रावधान में ढील देने हेतु सरकार की शक्तियां.—हिमाचल प्रदेश सरकार यदि इस बात से सन्तुष्ट हो जाती है कि उक्त नियमों में से किसी के कारण भी किसी विशेष मामले में कठिनाई उत्पन्न हो रही है, या ऐसा किया जाना आवश्यक या उचित है तो, आदेश जारी कर के, सरकार उक्त नियम व उक्त विनियमों में किसी भी प्रावधान में उस सीमा तक छूट या ढील दे सकती है जहां तक उस मामले को न्यायसंगत तथा साम्यिक विधि से निपटान हेतु वह आवश्यक समझती हो।

हस्ताक्षरित/-
सचिव।

[In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor of Himachal Pradesh is pleased to order the publication of the following notification No. MPP-A(3)-11/76, dated 30-1-1990.]

MULTIPURPOSE PROJECT AND POWER DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 30th January, 1990

No. MPP-A(3)-11/76-Part.—In exercise of the powers vested in him under section 78(2) of the Electricity (Supply) Act, 1948 (Central Act No. 54 of 1948), the Government of Himachal Pradesh hereby makes the following rules namely the "Himachal Pradesh State Electricity Board (Powers of the Chairman and Terms and Conditions of Service of the Chairman and Members) Rules, 1990" and the same are hereby published in the Rajpatra, Himachal Pradesh, as required under sub-section (1) of section 78 of the Act *ibid*.

PART I

PRELIMINARY

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh State Electricity Board (Powers of the Chairman and Terms and Conditions of Service of the Chairman and Members) Rules, 1990.

(2) These shall come into force at once.

2. Definitions.—In these rules, unless there is anything repugnant in the subject or context,—

- (i) "Act" means the Electricity (Supply) Act (Act No. LIV of 1948);
- (ii) "Board" means the Himachal Pradesh State Electricity Board as constituted under section 5 of the Act;
- (iii) "Chairman" means the Chairman of the Board appointed under sub-section (5) of section 5 of the Act;
- (iv) "Government" means the Government of Himachal Pradesh;
- (v) "Government Servant" means a person in the employment of Central or State Government;
- (vi) "Member" means a member of the Board;
- (vii) "Section" means section of the Act;
- (viii) "Secretary" means Secretary of the Board appointed under section 15 of the Act;
- (ix) All other words and expressions used in these rules, but not specifically defined herein, shall have the same meaning as respectively assigned to them in the Act, or in the Indian Electricity Act, 1910 (Act No. IX of 1910) and the rules framed thereunder, as the case may be.

3. The Board headquarters.—The Board shall have its headquarters at Shimla or at such other place as may be notified from time to time by the State Government.

PART II

TERMS OF OFFICE, REMUNERATION, ALLOWANCES AND CONDITIONS OF SERVICE OF THE CHAIRMAN AND MEMBERS OF THE BOARD

4. Terms of Office.—(1) The Chairman and other Members shall be appointed by the State Government and hold office for such period and shall, on the expiration of their terms of office, be eligible for re-appointment under such conditions as the State Government may from time to time, by order direct.

(2) No whole-time Member so long as he continues as Member shall accept any assignment other than that of the Board without the prior permission of the Government.

5. **Remuneration.**—The remuneration and other allowances payable to the Chairman and Members including a part-time Member (if any), shall be such as may be determined in each case by the Government from time to time.

6. **Travelling allowance.**—The Chairman and other Members of the Board shall, for the journey performed by them for the purposes of Board, be entitled to travelling allowance at the rate for the time being admissible to the highest grade of Class-I Officers of the Government of corresponding status and pay.

7. **Medical facilities.**—The Chairman, Members and the members of their families shall be entitled to such medical facilities as are admissible to Class-I Officers of the Government and the members of their families.

8. **Accommodation facilities.**—The Chairman and the whole-time members shall be entitled to residential accommodation owned or requisitioned by the Government or residential accommodation owned by the Board, if and when available, on payment of rent in accordance with policy/instructions of the State Government/Board from time to time.

9. **Leave and leave salary.**—(i) The Chairman and the Members shall be entitled to leave and leave salary as is admissible to the officers of the State Government from time to time.

(ii) The power to grant leave other than casual leave to the Chairman and Members shall vest in the Government.

(iii) The power to grant casual leave to Chairman of the Board shall vest in the Government and the power to sanction casual leave to Members of the Board shall vest in the Chairman.

(iv) The part-time Members shall not be entitled to any leave except that their absence from any meeting may be excused by the Board; provided that the absence of a part-time Member from three or more consecutive meetings of the Board shall be referred to the Government for consideration.

10. **Leave Travel Concessions.**—The Chairman and whole-time Members of the Board, shall be entitled to leave travel concession as per rules made applicable to the highest grade of Class I Officers of the Government from time to time.

11. **Resignation.**—The Chairman or a Member may resign his office by giving three calendar months' notice in writing to the Government. The Government may, if it thinks fit, waive such a condition.

PART III

POWERS AND FUNCTIONS OF THE CHAIRMAN AND THE MEMBERS

12. **Responsibility of the Chairman.**—The Chairman shall be responsible for properly carrying out the directions and decisions of the Board.

13. **Liaison between the Government and the Board.**—The Chairman shall function as a liaison between the Government and the Board in matters arising out of the administration of the Act, to the extent the Government is concerned.

14. **Alteration in the period of notice of meeting.**—The Chairman may determine, at his discretion, the period of notice of any particular meeting of the Board.

15. **Placing new matters before the meeting.**—The Chairman may bring or cause to bring any new matter, which in his opinion is urgent, before any meeting of the Board with or without giving notice.

16. Approval of Agenda.—The Chairman shall approve the agenda for a meeting of the Board including the fixation of date, time and place of meetings.

17. Matters not to be discussed.—The Chairman shall, if in his opinion it would be contrary to the public interest to discuss or answer any particular matter relating to the Board, at a meeting of the Board, exercise his discretion to disallow discussion of such matter.

18. Invitee for a meeting.—An officer of the Board, not being a Member thereof, may be invited by the Chairman to attend any meeting of the Board. Such an officer may, with the previous consent of the Chairman take part in the deliberations but shall not be entitled to vote.

19. Casting vote.—The Chairman, and in his absence a Chairman elected for conducting a meeting of the Board, shall be entitled to vote, and in the event of equality of votes, he shall have a casting or second vote.

20. Decision on point of order.—Any point of order raised at the meeting of the Board shall be decided by the Chairman and his decision thereon shall be final.

21. Difference of opinion to be reported.—The Chairman may bring to the notice of the Government any difference of opinion, on matters of policy arising between him and other Members of the Board. He may also similarly refer any other matter of policy, to the Government and place the directions received from the Government for the consideration and action by the Board.

22. Prohibition of disclosure of confidential information.—No Member of the Board, except with the previous permission of the Chairman in writing, shall disclose to any person, other than a Member of the Board, any information relating to the affairs of the Board or allow such persons to inspect or have access to the business of the Board, which are required to be treated as confidential.

23. Distribution of duties and functions.—Subject to the provisions of the Act, the Chairman shall distribute the duties and functions between Members, Secretaries and other officers of the Board and matters pertaining to the disposal of the case work in the Secretariat of the Board on such subjects which are not to be included in the regular agenda of the Board's meeting.

24. Performance of journey outside the jurisdiction of the Board.—(i) The Chairman shall be competent to allow the Members and officers of the Board to undertake journeys for the performance of their duties outside the jurisdiction of the Board, and also to make arrangements where necessary for carrying out the functions and duties of such members and officers in their absence.

(ii) The Chairman shall be the Controlling Officer in respect of travelling allowance and medical bills of Members of the Board including himself.

25. Functions of non-official part-time members.—Non-official part-time members, when appointed, shall attend the meetings of the Board and take part in the deliberations of the meetings. They shall not be placed in charge of any particular subject on a regular basis. They may, however, be entrusted by the Board with special duties from time to time.

26. Powers of the State Government to relax any provisions of the Rules.—Where the Himachal Pradesh Government is satisfied that operation of any of the above rules causes undue hardship in any particular case or if it is necessary or expedient to do so, it may, by order, dispense with or relax the requirements of that rule or any of the provisions of the above regulations, to such extent and subject to such conditions as it may consider necessary for dealing with the case in a just and equitable manner.

